तापमान
अधिकतम 25 .6 डिग्री
न्यूनतम 7 .5 डिग्री

हरिभूमि
# जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

12 तीन स्कूलों का किया औचक निरीक्षण, छात्रों को बोर्ड...

12 कोल्डड्रिंक की खाली बोतलों में भरकर बेची जा रही थी शराब...

## हरियाणा की गाय ने दिलाई दुनिया भर में पहचान : ललन सिंह

# देश के दूध उत्पादन का 36% यानी करीब 125.42 लाख मिलियन उत्पादन कर रहा हरियाणा: राजीव

**केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने केडीबी मेला ग्राउंड में आयोजित 41वें राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का किया अवलोकन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज्यमंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि हरियाणा नस्ल की गाय ने पूरी दुनिया में विख्यात होकर ख्याति प्राप्त की है। दूध उत्पादन में भी हरियाणा प्रदेश अपनी अग्रणिय भूमिका निभा रहा है। देश के कुल दूध उत्पादन का 36 प्रतिशत यानी करीब 125.42 लाख मिलियन दूध हरियाणा प्रदेश में उत्पादन हो रहा है। प्रदेश सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि वो प्रत्येक गांव में सहकारी समितियां खोलकर पशुपालकों का लाभ दें। दूध के निर्यात को बढ़ाने में सहकारी समिति अच्छी भूमिका निभा सकते हैं। केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह शनिवार को केडीबी मेला ग्राउंड में आयोजित 41वें राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन ने मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान पशुपालकों से बातचीत की और कैटवॉक के दौरान अच्छी नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन देखा। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र की भूमि पर आयोजित इस मेले में प्रदेशभर से अच्छी नस्ल के पशुओं को लेकर पशुपालक पहुंचे हैं। यहां के पशुपालकों में पशुओं के प्रति काफी प्यार -प्रेम देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि देश के करीब 10 करोड़ नागरिक की आजीविका पशुधन के क्षेत्र पर निर्भर है। इसी क्षेत्र ने महिलाओं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि डेयरी के विकास के लिए केंद्र सरकार ने कई प्रकार की योजनाएं चलाई हुई हैं। केंद्र की तरफ से आने वाले समय में और योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा। इस समय 19 लाख करोड़ रुपए का बाजार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में दूध का कुल उत्पादन 146.3 मिलियन टन होता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पशुपालकों की चिंता व्यक्ति की और इस क्षेत्र की तरफ पूरा ध्यान दिया। कृषि विभाग से अलग करके पशुपालन विभाग का अलग मंत्रालय बनाया गया, ताकि पशुपालन के क्षेत्र को ऊंचाइयों तक लेकर जाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयास से अब देश में दूध उत्पादन 248 लाख मिलियन टन पर पहुंच गया है। इस बंपर उत्पादन के साथ भारत विश्व में सबसे ज्यादा मात्रा में दूध का उत्पादन करने वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने में पशुपालक अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे।

कुरुक्षेत्र। गाय को गुड खिलाते केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज्यमंत्री राजीव रंजन सिंह।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग, केंद्रीय आयुक्त डा. नवीना महेश्वरप्पा, महानिदेशक डा. प्रेमचंद, ज्वाइंट डायरेक्टर डा. धर्मेंद्र, डा. पुनीता, उप निदेशक डा. अनिल बनवाला, महिला जिलाध्यक्ष वंदना गौरी, योगी राज, अनिल शास्त्री, गुरदयाल सुनेहड़ी, अनु माल्याण, ऋषिपाल मथाना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

### फतेहाबाद के लहरियां गांव से पहुंचा 50 लाख का घोड़ा बादशाह कर रहा आकर्षित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में चल रहे राज्य स्तरीय पशु मेले में फतेहाबाद के गांव लहरियां से 50 लाख रुपये की कीमत का बादशाह घोड़ा आया है। बादशाद मेला देखने आने वाले लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। नूकरे नस्ल का बादशाह सिर से पैर तक पूरी तरह सफेद है। 28 महीने की उम्र में ही यह 65 इंच ऊंचा है। घोड़े के मालिक पूर्व सरपंच संतलाल ने बताते हैं कि आंध्र प्रदेश से एक व्यक्ति बादशाह को लेने के लिए आया था, जिसने उसकी इसकी कीमत 50 लाख रुपये लगाई थी। मगर उन्होंने बादशाह को बेचने से मना कर दिया, वे बादशाह को बेचने के लिए नहीं पाल रहे हैं। संतलाल बताते हैं कि बादशाह को सर्दी और गर्मी में अलग-अलग खाना दिया जाता है। सर्दियों में उसे दूध में बादाम दिया जाता है। एक सप्ताह में चार बार उसकी तेल से मालिश की जाती है। बादशाह को दिन में तीन बार अलग-अलग खुराक देते हैं।

### नस्ल सुधार के लिए पशुओं में लगाई जिनोमिक चिप

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि पशुओं की नस्ल सुधार के लिए पशुपालन विभाग कुछ पशुओं में जिनोमिक चिप लगा रहे हैं। ये चिप समय समय पर पशुओं में होने वाली बीमारियों व अन्य परिवर्तनों की जानकारी देती है। इस चिप के माध्यम से ही वैज्ञानिक शोध करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एनडीएलएम कार्यक्रम चलाया हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत एफएमडी टीका पशुओं को दिया जा रहा है। प्रदेश में इन वैक्सीन को केंद्र सरकार की तरफ से मुफ्त में मुहैया करवाया जा रहा है।

### किसान मजबूत होने से राजनीति होती है मजबूत

चीफ व्हिप एवं विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि जिस देश के किसान मजबूत होते हैं वहां की राजनीति उतनी ही मजबूत होती है। प्रदेश व देश की सरकार लगातार किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। किसानों और पशुपालकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने कई प्रकार की योजनाएं भी चलाई हुई हैं, जिनका पशुपालक वर्षभर लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की में किसानों का अहम योगदान रहा है। सरकार की योजना के अनुसार 1, 4 व 10 पशुओं से डेयरी की शुरूआत की जा सकती है। पशुपालकों को अलग-अलग योजना में 25 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

### पिंजौर निवासी रीता और पानीपत के गांव अदियाना निवासी ईश्वर ने जीती बुलेट

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा. अनिल बनवाला ने कहा कि 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में रोजाना पंजीकरण करवाने वाले पशुपालकों और किसानों के लिए विभाग की तरफ से लकी ड्रा के माध्यम से पुरस्कार देने की योजना तैयार की है। इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन लक्की ड्रा के जरिए पंचकूला के गांव पिंजोर निवासी रीता और पानीपत के गांव अदियाना निवासी ईश्वर ने बुलेट जीती है। कुरुक्षेत्र के रतनाल निवासी दक्ष ने मोटरसाइकिल जीती है। दक्ष का आज जन्म होने पर प्रदर्शनी में ड्रा के माध्यम से बेहतरीन उपहार मिला। इसके अलावा कुरुक्षेत्र के दयालपुरा निवासी अनु रानी, सुनील कुमार व अंबाला के गांव छपरा निवासी राजेंद्र को मिल्क मशीन तथा कैथल के गांव फतेहपुर निवासी सत्यवान, पानीपत के गांव जोशी निवासी मांगे राम, यमुनानगर के गांव काजीवास निवासी श्याम लाल, कुरुक्षेत्र के गांव बरोट निवासी धर्मपाल, कैथल के कुतुबपुर गांव निवासी विकास, जींद के गांव लोचब निवासी संजीव कुमार और पानीपत निवासी जोगिंदर का लक्की ड्रा में मद्दानी निकाला है। इन विजेताओं को महानिदेशक डा. प्रेम सिंह ने मौके पर ही सम्मानित किया गया है।

## खबर संक्षेप

### युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

**यमुनानगर।** व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। युवती अपने मामा के घर आई हुई थी। पुलिस ने युवती के मामा की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 23 वर्षीय उसकी भांजी उसके घर आई हुई थी। पांच फरवरी को उसकी भांजी किसी काम से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी।

### महिला चार वर्षीय बेटे के साथ लापता

**यमुनानगर।** सरस्वती नगर की शिव कॉलोनी से एक महिला अपने चार वर्षीय बेटे के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उनका कुछ भी पता नहीं चला। पुलिस ने मामले की जांच के बाद केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर की शिव कॉलोनी निवासी जॉनी ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी 23 वर्षीय अंजली छह फरवरी को दोपहर एक बजे अपने चार वर्षीय बेटे आरव के साथ किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी।

## जलकर्मियों में रोष बना हुआ है

# ग्रामीण जलकर्मियों ने की जॉब सिक्योरिटी देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। सीएम नायब सैनी से मुलाकात करते हुए जलकर्मी।

पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर ऑर्गेनाइजेशन (बीएमएस) ने ग्रामीण जलकर्मियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में पोर्ट कर जॉब सिक्योरिटी का लाभ देने की मांग की है। इस संबंध में संगठन की ओर से मुख्यमंत्री नायब सैनी को मांग पत्र सौंपा है। इसमें जिला अध्यक्ष सोहन लाल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत जलकर्मी पिछले 10 से 15 वर्षों से पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक स्थायी रोजगार सुरक्षा नहीं मिल पाई है। संगठन का कहना है कि इन कर्मचारियों को भी अन्य कर्मियों की तरह जॉब सिक्योरिटी के दायरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई 2024 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीण जलकर्मियों को एचके आरएनएल पोर्टल पर पोर्ट करने का विषय रखा गया था जिसे मुख्यमंत्री द्वारा 7 अगस्त 2024 को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इसके तहत ग्राम पंचायतों के माध्यम से कार्यरत जलकर्मियों को एचकेआरएनएल के अंतर्गत लाने की मंजूरी दी गई है। संगठन के अनुसार इस मामले से संबंधित फाइल 27 नवंबर 2024 को वित्त विभाग को भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद भी अब तक जमीनी स्तर पर निर्णय लागू नहीं हो पाया है।

### घर में घुसकर सामान गायब करने का आरोप

**यमुनानगर।** शहर के आजाद नगर निवासी हिना कपूर ने राजकुमार व हर्षित पर उसके पिता के घर में घुसकर सामान गायब करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आजाद नगर गली नंबर छह निवासी हिना कपूर ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि शिवपुरी ए कॉलोनी में उसके पिता का घर है। उसके पिता व माता की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। उसके पिता की मौत के बाद उसका आरोपी राजकुमार व हर्षित के साथ मकान को लेकर कोर्ट केस चल रहा है।

# अब कुरुक्षेत्र विवि के छात्रों को भी मिलेगी कैंपस के अंदर इलेक्ट्रिकल बस सेवा

- सोमवार से किया जाएगा बस सेवा का संचालन, रोडवेज विभाग ने टाइम टेबल किया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भी कैंपस के अंदर इलेक्ट्रिकल बस सेवा मिलेगी। पिपली से ज्योतिसर के लिए दो नए रूट पर बसों का संचालन शुरू किया गया है।

पहला रूट पिपली से ज्योतिसर के लिए वाया रेलवे स्टेशन और दूसरा रूट पिपली से ज्योतिसर वाया लघु सचिवालय, एनआईटी और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंदर से बस सेवा का संचालन शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों रूटों पर बसों का संचालन करने की नागरिकों की मांगों को देखते हुए इन बसों को शुरू किया गया है।

सोमवार से इन बसों का संचालन किया जाएगा। नागरिकों के लिए इन रूटों पर अभी तक किसी भी बस का संचालन नहीं हो रहा था। जिस कारण से जिला प्रशासन व रोडवेज विभाग के पास इन रूटों पर बसों का संचालन करने की मांग आ रही है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि पिपली से ज्योतिसर वाया रेलवे स्टेशन के लिए पिपली से सुबह 6:20 बजे, 8 बजे, दोपहर 2:40 बजे और सायं 4:30 बजे चलेगी। ये बस ज्योतिसर से पिपली के लिए वाया रेलवे स्टेशन के लिए ज्योतिसर से सुबह 7 बजे, 8:40 बजे और दोपहर 3:50 बजे चलेगी। इसी तरह पिपली से ज्योतिसर वाया लघु सचिवालय, एनआईटी, केयूके के लिए पिपली से 8:15 बजे, 10:15 बजे, 10:45 बजे, 11:50 बजे, दोपहर 2:45 बजे, सायं 4:45 बजे चलेगी। ये बस ज्योतिसर से पिपली वाया केयूके, एनआईटी, लघु सचिवालय के लिए ज्योतिसर से सुबह 9:15 बजे, 11:45 बजे, दोपहर 12:40 बजे, 3:45 बजे व सायं 5:45 बजे चलेगी।

# 7 करोड़ के धान घोटाले में पांच अधिकारी गिरफ्तार

- फर्जी खरीद, स्टॉक और गेट पास के जरिए सरकारी धन की हेराफेरी, एसआईटी जांच में खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिले में फर्जी धान खरीद और भंडारण दिखाकर करीब 7 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन मामले में पुलिस ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड और वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन से जुड़े पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में तरावड़ी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार, इंद्री अनाज मंडी के इंस्पेक्टर रणधीर सिंह, हैफेड असंध के प्रबंधक प्रमोद कुमार, हैफेड निसिंग के प्रबंधक दर्शन सिंह और वेयरहाउस इंद्री के तकनीकी सहायक प्रदीप शामिल हैं।

एसआईटी प्रमुख एवं आईपीएस अधिकारी कांची सिंघल ने बताया कि जांच में सामने आया है कि सरकारी रिकॉर्ड में धान की खरीद, स्टॉक और उठान की प्रक्रिया पूरी दर्शाई गई, जबकि वास्तविकता में कई राइस मिलों और वेयरहाउस में धान मौजूद ही नहीं था। कागजों में फर्जी बिल, खरीद रजिस्टर और स्टॉक एंट्री तैयार कर सब कुछ सही दिखाया गया, जिससे लंबे समय तक गड़बड़ी छिपी रही।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने फर्जी गेट पास जारी कर धान की आवाजाही दिखाई, जिनके जरिए खरीद और भंडारण में हेराफेरी की गई। इन्हीं गेट पासों के आधार पर सरकारी सिस्टम में फर्जी एंट्री कराई गई, जिससे वास्तविक स्टॉक की स्थिति सामने नहीं आ सकी। इसी फर्जीवाड़े के जरिए करीब 7 करोड़ रुपये के धान का गबन किया गया।

### एसआईटी जांच में धान घोटाले का खुलासा

कांची सिंघल ने बताया कि इस मामले को लेकर 9 जनवरी 2026 को एसआईटी का गठन किया गया था, जो विभिन्न अनाज मंडियों, राइस मिलों और वेयरहाउस के रिकॉर्ड की जांच कर रही थी। दस्तावेजी साक्ष्य, रिकॉर्ड और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की संलिप्तता स्पष्ट हुई, जिसके बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर घोटाले की पूरी योजना, इसकी शुरुआत और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाया जाएगा। मामले में और गिरफ्तारियां भी संभव हैं। पुलिस गबन किए गए धान और सरकारी धन की रिकवरी के प्रयास भी कर रही है।

### 25 साल के युवक की मौत, नाक-मुंह से निकले खून के कारण मौत संदिग्ध

**अंबाला।** अंबाला-जगाधरी हाईवे स्थित महेश नगर थाने से 100 कदम की दूरी पर युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह सूचना मिलने के बाद महेश नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। युवक के मुंह व नाक से खून निकल रहा था व आंख पर नील पड़ा हुआ था। मृतक के पास से मिले आधार कार्ड से शिनाख्त लखनऊ के 25 वर्षीय राहुल के रूप में हुई है। महेश नगर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। परिजनों के आने के बाद शिनाख्त कर कैंट के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

### यूएस भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस ने विदेश यूएस भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपी मोती राम चौधरी वासी तोतलिया जिला नागौर राजस्थान को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 22 जुलाई 2024 को पुलिस को दी अपनी शिकायत में सुखविन्द्र सिंह वासी निवारसी जिला कुरुक्षेत्र ने बताया कि वह खेती बाड़ी काम करता है।

वह अपने लडके को विदेश भेजना चाहता था। इसके लिए उसने अपने एक जानकर के माध्यम से सोनू सिंह से मुलाकात की जिसने कहा कि वह उसके लड़के को वाया थाईलैंड यूएस भेज देंगे। इसके लिए उनके बीच 48 लाख रुपये में इकरारनामा हुआ। जिसमे आधे रुपये एडवांस व बाकी के विदेश जाने के बाद देने होंगे।

इसके बाद उसने आरोपियों को 12.50 लाख नगद व लड़के के कागजात दे दिए। 24 अक्टूबर 2023 को आरोपियों ने उसके लडके को थाईलैंड से होते हुए क्यूबा भेज दिया जहां पर काफी समय रहने के बाद उसका लड़का भारत वापस आ गया। जब उन्होंने आरोपी से इस बारे बात की तो उन्होंने कहा कि वह जल्द ही उसके लड़के को यूएस भेज देंगे।

### गाड़ी लोड कर रोहतक जा रहे चालक के साथ तीन युवकों ने की मारपीट

- जिस कार में आरोपी सवार होकर आए थे, उस पर लिखा था, भारत सरकार व गवर्नमेंट आफ इंडिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के महाराणा प्रताप चौक के पास गाड़ी चालक से मारपीट के मामले में शहर यमुनानगर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। जिन युवकों ने चालक के साथ मारपीट की वह बुलेरो कार में आए। इस कार पर भारत सरकार व गवर्नमेंट आफ इंडिया लिखा हुआ है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसारजिला रोहतक के गांव भाली आनंदपुर निवासी सुरेंद्र कुमार ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह ड्राइविंग का कार्य करता है। 31 जनवरी को वह अपनी गाड़ी लोडिंग के लिए लेकर जगाधरी आया हुआ था। जब गाड़ी को लोड कर वापस रोहतक जा रहा था। उसने यमुनानगर के महाराणा प्रताप चौक पर गाड़ी रोकी। इस दौरान बुलेरो कार में तीन युवक आए। आते ही आरोपी उसके साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगे। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने उससे एक हजार रुपये भी छीन लिए।

## केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर पहुंचे मार्केट कमेटी चेयरमैन के घर

# जमीन से जुड़े नेता ही पुराने संघर्ष के दिनों को रखते हैं याद : गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

केन्द्रीय सरकार में कैबिनेट ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर शनिवार को मार्केट कमेटी चेयरमैन कैलाश चंद शर्मा के घर उनसे मिलने गांव भंगेड़ा में पहुंचे। मौके पर उनके साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर भी थे। गांव भंगेडा में पहुंचकर केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया । साथ ही साथ उन्होंने चेयरमैन के पिता स्वर्गीय वैध सीताराम को नमन किया। चेयरमैन कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि बताया कि केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर का उनके पास फोन आया था कि वे उनसे मिलने आ रहे हैं। केंद्रीय कैबिनेट सुबह 10 बजे उनके घर पहुंचे और सबसे पहले उन्होंने स्वर्गीय वैध सीताराम के परिवारजनों से मिले।

यमुनानगर। मार्केट कमेटी के चेयरमैन व उनके परिजनों से मिलते केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री व अन्य।

शर्मा ने बताया कि मनोहर लाल खट्टर ने उनके निवास पर पहुंकर उनके भतीजे अंकुश शर्मा, डाक्टर प्रकाश चंद, विनोद कुमार, सुरेश शास्त्री, समाजसेवी सुरेंद्र सिंगला आदि से मुलाकात की । मौके पर मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि इस क्षेत्र से उनकी पुराने समय से यादें जुड़ी रही हैं जब वह संघ के प्रचारक थे तो उन्होंने इस क्षेत्र में वर्षों रहकर कार्य किया हुआ है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर को गांव भंगेडा में रहने वाले भाजपा के पुराने व नए कार्यकर्ता काफी खुश व उत्साहित नजर आए।

### संघ साथियों को नहीं भूले खट्टर

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि जमीन से जुड़े हुए नेताओं की यही असली पहचान है कि वह अपने पुराने संघर्ष के दिनों के साथियों को याद रखते हैं। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को इस क्षेत्र के लोग महान तपस्वी के रूप में याद करते हैं जिन्होंने यहां पर रहकर संघ की शाखाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा अपने पुराने दिनों के साथियों को याद रखना बहुत बड़ी बात है। यही सादगी वाला जीवन उन्हें जनता के दिलों में महान बनाता है ।

## खबर संक्षेप

### यज्ञ करने से मन की भी शुद्धि होती : डीपी चौधरी

**कुरुक्षेत्र।** महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती एवं स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी वर्ष के शुभारंभ पर ब्रह्मसरोवर पर चल रहे 12 दिवसीय चतुर्वेद महायज्ञ में जिला परिषद के वाइस चेयरमैन चौधरी धर्मपाल डीपी ने यज्ञ में आहुति डाली। उन्होंने यज्ञ में आहुति डालकर लोक कल्याण की कामना की। वेद विद्या शोध संस्थान के अध्यक्ष स्वामी सम्पूर्णानंद ने बताया कि लोक कल्याण के लिए बारह दिवसीय चतुर्वेद महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को कुरुक्षेत्र जिला परिषद के वाइस चेयरमैन धर्मपाल चौधरी ने महायज्ञ में आहुति डाली। धर्मपाल चौधरी ने कहा कि हमारे जीवन में यज्ञ का विशेष महत्व है।

### सेक्टर 2 कुरुक्षेत्र रेजिडेन्ट वेल्फेयर एसो. की हुई बैठक

**कुरुक्षेत्र।** सेक्टर-2 कुरुक्षेत्र रैजिडैन्ट वैल्फेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक एसोसिएशन प्रधान धर्मपाल खुबडु की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सैक्टर की सफाई व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सैक्टर में नियमित सफाई, कूड़ा निस्तारण, सिवरेज की समय पर सफाई तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

### 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संपन्न कराई पूजा

**कुरुक्षेत्र।** आध्यात्मिक नगरी कुरुक्षेत्र में स्थित पावन श्री भद्रकाली शक्तिपीठ ने भक्ति और आधुनिक तकनीक के समन्वय से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मई 2025 में श्रीमंदिर ऐप के साथ अपनी डिजिटल यात्रा शुरू करने के बाद से अब तक शक्तिपीठ में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन पूजाएं और अनुष्ठान सफलतापूर्वक संपन्न कराये हैं। यह पहल न केवल भक्तों की श्रद्धा को सुलभ बना रही है, बल्कि इस प्राचीन शक्तिपीठ की महिमा को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। श्री मंदिर ऐप हिन्दुओं कि आस्था का एक ऐसा ऐप है, जहाँ श्रद्धालु विश्व के किसी भी कोने से प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा और चढ़ावा जैसी सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

### हेमसा ने आंदोलन का बिगुल बजाया

**कुरुक्षेत्र।** सर्व कर्मचारी संघ से सम्बंध हरियाणा एजुकेशन मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन जिला कमेटी की मिटिग स्थानीय डीईओ ऑफिस में प्रधान पीतांबर शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई तथा संचालन सचिव सुशील कुमार द्वारा किया गया। पीतांबर शर्मा ने कहा कि पिछले 10 सालों में देश भर में 93 हजार से ज्यादा स्कूल बंद हो गए है तथा गरीब बच्चों को शिक्षा से ही वंचित कर उनके सपनों पर ही पानी फेर दिया है। आउटसोर्सिंग, ठेका प्रथा, पीपीपी, निजीकरण की नितियों को लागू कर सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र को समाप्त किया जा रहा है।

## यूनियनों ने बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया

# अग्निशमन कर्मियों पर टिप्पणी को लेकर मंत्री का पुतला फूंका

उद्योग मंत्री राव नरबीर के बयान को लेकर प्रदेशभर में विवाद खड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

हरियाणा सरकार के उद्योग मंत्री राव नरबीर द्वारा अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों को लेकर दिए गए बयान से प्रदेशभर में विवाद खड़ा हो गया है। मंत्री की ओर से ऑफिस में सारा दिन ताश खेलने और जरूरत पड़ने पर फायर ब्रिगेड का टायर पंचर होने जैसी टिप्पणी को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने गैर-जिम्मेदाराना, अपमानजनक और तथ्यों से परे बताया है। शनिवार को अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की करनाल इकाई ने जुंडला गेट फायर ब्रिगेड कार्यालय के बाहर मंत्री का पुतला फूंका और रोष प्रदर्शन किया।

इस मौके पर राज्य महासचिव गुलशन भारद्वाज ने कहा कि यह टिप्पणी फायर ब्रिगेड जैसे जोखिमपूर्ण सेवा कार्य का अपमान है। उन्होंने कहा कि मंत्री राव नरबीर का बयान बेहद निंदनीय है और पूरा फायर ब्रिगेड इसकी घोर निंदा करता है। जिला प्रधान संदीप त्यागी ने कहा कि मंत्री द्वारा यह कहना कि दमकल कर्मचारी खाली रहते हैं और ताश खेलते हैं, सरासर गलत और अपमानजनक है। जो लोग आग से कभी आमना-सामना नहीं करते, वे इस सेवा के जोखिम को नहीं समझ सकते। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुशील गुर्जर ने कहा कि मंत्री बिना जमीनी हकीकत जाने केवल एसी कमरों में बैठकर कर्मचारियों के बारे में मनगढ़ंत बातें कर रहे हैं। यह बयान सिर्फ फायर ब्रिगेड कर्मचारियों का नहीं, बल्कि पूरे हरियाणा के मेहनतकश कर्मचारियों का अपमान है।

### ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर गुलशन भारद्वाज, संदीप त्यागी, रामफल, महाबीर, धर्मवीर, नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुभाष प्रोचा, विनोद, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुशील गुर्जर, राजेंद्र राणा, अमित, संजीव राणा और राजकुमार सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

# किसानों की समस्याओं पर मंथन

■ नई अनाज मंडी में भारतीय किसान यूनियन की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭इंद्री

**इंद्री।** अनाज मंडी में मीटिंग करते भाकियू नेता व किसान। *फोटो: हरिभूमि*

भारतीय किसान यूनियन की मीटिंग नई अनाज मंडी में ईशम सिंह संधू की अध्यक्षता मे हुई । मीटिंग में मुख्य रूप से भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने शिरकत की । इस मौके पर उन्होंने किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि किसानों की मुख्य मांगे हैं कि फसलों के लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिए जाएं, एमएसपी की कानूनी गारंटी हो इससे नीचे किसानों की फसल ना खरीदी जाए, किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए , बुढ़ापा पेंशन 60 साल के बाद हर आदमी को मिलनी चाहिए, फसल बीमा योजना पारदर्शी बनाई जाए और फसल बीमा की पॉलिसी हर किसान को दी जाए, और किसानों को बेसहारा पशुओं की समस्या से निजात दिलवाई जाए आदि मांगे हैं ।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर अमर सिंह, विजय कांबोज, भीम सिंह, सतपाल, राजेंद्र सिंह, जय कुमार, मेहर सिंह व अमर सिंह सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

# नशीली गोलियों की सप्लाई मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, आरोपी को 10 साल कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

नशीली दवाओं की सप्लाई से जुड़े एक पुराने मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। लंबी जांच, गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर कोर्ट ने एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए कड़ी सजा सुनाई है, जबकि अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया है। यह मामला 19 अक्टूबर 2020 का है, जब जलमाना बस अड्डे के

**अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया**

### पूछताछ में हुआ खुलासा

पूछताछ के दौरान बबलू राम ने गांव जमाल थाना असंध के प्रदीप और गांव बाल जाटन थाना मतलोडा, जिला पानीपत निवासी रणजीत सिंह के नाम बताए। इसके बाद 21 अक्टूबर 2020 को पुलिस ने रणजीत सिंह को गिरफ्तार किया। 22 अक्टूबर को उसे हवालात से बाहर निकालकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने खुलासा किया कि वह नशीली गोलियां घरोड़ा की धर्मवीर कॉलोनी निवासी मनोज कुमार से खरीदता था।

### लाइसेंस और दुकान की जांच में खुला राज

जांच में यह भी सामने आया कि मनोज कुमार के लाइसेंस पर उसके जीजा संजय कुमार ने कच्चा कैंप, पानीपत में दुकान खोल रखी थी। रणजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि उसने नशीली गोलियों के करीब 13-14 डिब्बे खरीदे थे। पुलिस ने बबलू राम, प्रदीप, रणजीत सिंह और मनोज कुमार के खिलाफ सबूत जुटाकर कोर्ट में चालान पेश किया। एडिशनल सेशन जज ऋत की कोर्ट में दोनों पक्षों की सुनवाई हुई। सरकारी पक्ष की ओर से अधिवक्ता ऋषि शर्मा ने साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर कोर्ट ने बबलू राम को दोषी करार देते हुए 10 साल कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

# सीएम को पावन कथा का दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

**तरावड़ी।** मुख्यमंत्री को निमंत्रण देते हुए वीरेंद्र बंसल, प्रवीण गर्ग व पदाधिकारी।

तरावड़ी अनाज मंडी में 11, 12 एवं 13 फरवरी को आयोजित होने वाली श्री स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की पावन कथा के निमंत्रण हेतु नगरपालिका अध्यक्ष वीरेंद्र बंसल ने संत कबीर कुटिया पहुँचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को कथा में पधारने का विधिवत निमंत्रण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष के साथ परवीन गर्ग, श्री अनिल गर्ग, श्री धीरज वालिया एवं श्री कपिल शर्मा भी उपस्थित रहे। सभी गणमान्यजनों ने मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया कि वे अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकालकर इस

### सामाजिक सद्भाव की दिशा में प्रयास

नगरपालिका अध्यक्ष वीरेंद्र बंसल ने बताया कि स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की यह पावन कथा क्षेत्र में धार्मिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

# राजा भोज शरण दे सांग का किया मंचन

■ 13 फरवरी को होगा श्री शिव विवाह का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

श्री सनातन धर्म शिव मंदिर सभा की ओर से महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में रामलीला मैदान में आयोजित सांग उत्सव के सातवें दिन राजा भोज शरण दे सांग का मंचन किया गया। सांगी विष्णु पहलवान और उनकी टीम ने प्रस्तुति दी। राजा भोज, जो उज्जैन के न्यायप्रिय राजा थे, शरण दे नामक लड़की की बातों और सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे विवाह करने का निर्णय लेते हैं। सांग में राजा भोज और शरण दे के संवाद तथा विवाह प्रसंग को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया। सभा के प्रधान रमेश जिंदल ने बताया कि 13 फरवरी को रामलीला मैदान में श्री शिव विवाह का भव्य मंचन किया जाएगा। सुषमा कौशिक अपने ग्रुप के साथ हरिद्वार से प्रस्तुति देने के लिए पहुंचेंगी। उन्होंने बताया कि आठ फरवरी से श्री शिव पुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्री सत्यनारायण मंदिर, हनुमान गली में किया जाएगा, जिसमें मिथलेश नंदन जी कथा सुनाएंगे। इस अवसर पर प्रधान रमेश जिंदल, महेंद्र गुप्ता, बीबी गुप्ता, बालकिशन शर्मा, गौरव गर्ग, राजन गर्ग, विजय अग्रवाल, अमित भाटिया, अमरजीत मित्तल, अंकुर, मन्नी जायसवाल, कुलभूषण, ओमप्रकाश, संजू, संजय, लवली, बाबू, संजीव, गौरव, पूनम, रोशनी, मनीषा, रेखा, जयभगवान, हुकम और बबल अलबेला सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

### 15 को शोभायात्रा

उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा रामलीला मैदान से शुरू होगी और शहर के मुख्य बाजारों को भव्य रूप से सजाया जाएगा। स्वागत द्वार लगाए जाएंगे और कर्ण गेट बाजार को लाइटों से सजाया जाएगा। प्रभातफेरियां भी निरंतर निकाली जा रही हैं, जो प्रतिदिन शिव मंदिर सर्राफा बाजार से सुबह पांच बजे शुरू होती हैं।

# योग और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता सत्र

■ केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में एनएसएस शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

केवीए डीएवी महिला महाविद्यालय में एनएसएस यूनिट एक और यूनिट दो की ओर से एनएसएस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में शिविर के प्रथम दिन की शुरुआत हवन यज्ञ से की गई। शिविर की सफलता और प्रतिभागियों की भलाई की कामना ईश्वर से की गई। हवन यज्ञ कॉलेज की संस्कृत की असिस्टेंट प्रोफेसर सीमा रानी और अंग्रेजी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नीलम ने संपन्न करवाया। वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. मंजू सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में भाग लिया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग क्रियाओं और ध्यान का अभ्यास किया, जिसका नेतृत्व पतंजलि योग समिति की प्रवक्ता सुनीता नरवाल ने किया। योग सत्र के बाद पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त डीजीएम आरके मिगलानी ने साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा पर जानकारी दी। उन्होंने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर खतरों और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया। कॉलेज की वाणिज्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर काजल गंभीर ने डिजिटल साक्षरता पर विचार रखे। कैंप के आयोजन में सिल्की, डॉ. शिवांगी सहित अन्य प्राध्यापिकाओं का सहयोग रहा।

# बिजली कर्मियों की समस्याओं पर चर्चा

■ रामनगर सब यूनिट की कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) की बैठक रामनगर सबडिवीजन डबरी पावर हाउस परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रोहित पूनिया ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सुमित मक्कड़ ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रधान अमरजीत पूनिया, जेई मुकेश जांगड़ा और नरेश मेहला ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों को जल्द ही एक्ट के तहत राहत मिलने वाली है। बैठक में बकाया एरियर दिलवाने, समान काम समान वेतन और कैशलेस मेडिकल सुविधा जैसे मुद्दों

### नई कार्यकारिणी को बधाई दी

विचार-विमर्श के बाद रामनगर सब यूनिट की कार्यकारिणी का गठन किया गया। पवन पाल को प्रधान, प्रदीप कुमार को उपाध्यक्ष, अरविंद यादव को सचिव और संदीप कांबोज को कैशियर बनाया गया। संगठनकर्ता के रूप में अभिमन्यु शर्मा, गौरव शर्मा, अशोक कुमार और शंभू नाथ को जिम्मेदारी सौंपी गई। नए पदाधिकारियों ने ईमानदारी और निष्ठा से संघ के लिए कार्य करने की शपथ ली। सदस्यों ने मुंह मीठा कराकर नई कार्यकारिणी को बधाई दी।

# इंद्री में निकाली गई शोभायात्रा

■ ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि ने शिवरात्रि के उपलक्ष्य में किया शोभायात्रा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭इंद्री

**इंद्री।** ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इंद्री की ओर से निकाली गई शोभायात्रा में भाग लेते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इंद्री की ओर से शिवरात्रि के उपलक्ष्य में विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया । यह शोभा यात्रा शिव मंदिर इंद्री से शुरू होकर कस्बे के बाजारों से होती हुई वापिस शिव मंदिर इंद्री मे पहुंची । शोभा यात्रा में शिवलिंग को भव्य रूप से सजाया हुआ था । शोभा यात्रा का शुभारंभ मार्किट कमेटी इंद्री के चेयरमैन महेंद्र सिंह पंजोखरा ने हरी झंडी दिखाकर किया । ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इंद्री के भाई समय सिंह कांबोज व जयप्रकाश बंसल ने बताया कि पुष्प वाटिका इंद्री में 10 तारीख को महाशिवरात्रि पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

### ये रहे यात्रा में शामिल

यात्रा मे सभी व्हाइट ड्रेस में शांति से परमपिता की किरण को खेलते हुए सभी को शांति का संदेश देते हुए चले जैसा हम सोचते हैं ऐसा ही हमारा जीवन और व्यक्तित्व बनता है इस मौके पर आरडी गोयल, समय सिंह,धर्म सिंह, जयप्रकाश, शक्ति सिंह, बालेश्वर, बालकृष्ण,कमल, हनी, अमित, अशोक, सचिन, कमलेश, सरोज, सीमा, राजबाला, आशा, निर्मला, निशा, सुधा, राधा आदि मौजूद रहें ।

**सम्मेलन** अमेरिका-भारत व्यापार डील को बताया देशहित के खिलाफ

# अमेरिका-भारत व्यापार डील से देश के उद्योग व कृषि पर बुरा असर पड़ेगा : कामरेड प्रेमचंद

■ अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन का जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन का जिला स्तरीय सम्मेलन स्थानीय कश्यप धर्मशाला में आयोजित किया गया। तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंडल शिष्पाल जयसिंहपुरिया, पाल सिंह और रूलदू राम ने सम्मेलन की अध्यक्षता की, जबकि संचालन जगमाल सिंह ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन संगठन के राज्य महासचिव कामरेड प्रेम चंद ने किया। अपने संबोधन में प्रेम चंद ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार डील से देश के उद्योग और कृषि पर बुरा असर पड़ेगा तथा किसान और मजदूर प्रभावित होंगे। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से सामने आ रही जानकारी दुर्भाग्यपूर्ण है और इस डील के जरिए मोदी सरकार देश की स्वतंत्र विदेश नीति को कमजोर कर रही है। इससे देश की संप्रभुता और खाद्य सुरक्षा पर भी खतरा पैदा हो गया है। जगमाल सिंह ने तीन वर्षों की कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की।

### कमेटी में ये किए शामिल

सम्मेलन को किसान सभा के डॉ. अशोक अरोड़ा, सीपीआई (एम) व सीटू नेता जगपाल राणा, दलित अधिकार मंच के संयोजक ओमप्रकाश सिंहमार, जनवादी महिला समिति की नेत्री जारसो देवी, ज्ञान विज्ञान समिति से विनोद मंगलौरा और शीशपाल ने संबोधित किया। सम्मेलन में अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन की जिला करनाल कमेटी का चुनाव भी कराया गया। सर्वसम्मति से शीशपाल को प्रधान, जगमाल को सचिव, संतप्रकाश सिंह और पाल सिंह को उपप्रधान, राजबीर और सुबे सिंह को सह सचिव चुना गया। 15 सदस्यीय कमेटी में रूलदू राम, राजेंद्र, बेदप्रकाश, सौदागर सिंह, जयसिंह और प्रदीप को शामिल किया गया।

## खबर संक्षेप

### मारपीट करने के आरोप में चार काबू

**पानीपत।** पानीपत के तहसील कैंप क्षेत्र के अशोक नगर निवसी परमजीत को उसके ही निवास में घुसकर लाठी, डंडो से हमला कर गंभीर चोट मारने के चार आरोपियों सुभाष कालोनी निवासी प्रीतम व रजनीश, प्रीत विहार निवासी मोहित व इंसार बाजार निवासी संजय को गिरफ्तार किया है। इस मामले में घायल परमजीत की पत्नी साजिदा की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं आरोपियों ने साजिदा व इनके चाचा सुसर के साथ भी मारपीट की थी।

### महिला को पीटने के आरोपी गिरफ्तार

**पानीपत।** थाना किला पुलिस ने राकेश कालोनी निवासी ज्योति व इसके ससुर के साथ मारपीट करने के आरोपियों तरूण, अरूण व सतपाल निवासी राकेश कालोनी को गिरफ्तार किया है। वहीं, ज्योति की शिकायत पर आरोपियों पर थाना किला में केस दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों से मारपीट में प्रयोग डंडे आदि भी बरामद किए है।

### बिहार प्रवासी के घर से जेवर चोरी

**पानीपत।** पानीपत की दुर्गा कालोनी में निवास कर रहे निवासी रमेश कुमार मूल निवासी समस्तीपुर, बिहार के चोरों ने लाखों रूपये के जेवर चोरी कर लिए। वहीं चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे या बेड के ताले को छुए बिना ही अंदर रखे सोने के गहनों चोरी कर लिए। इधर, रमेश की शिकायत पर थाना किला पुलिस ने घटनास्थल जांचा और एफएसएल की टीम से भी घटनास्थल की जांच करवाई।

### कोर्ट में दो वकीलों में मारपीट, नोटिस सौंपे

**समालखा।** समालखा की कोर्ट में न्यायिक कार्यवाही के दौरान जज की उपस्थित में दो वकीलों के बीच मारपीट हो गई। दोनों के बीच पहले बहस हुई वहीं फिर हाथापाई व मारपीट हुई। इधर, कोर्ट के अंदर मारपीट की इस घटना को समालखा बार एसोसिएशन ने गंभीरता से लेते हुए दोनों वकीलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पांच दिनों के अंदर लिखित जवाब मांगा है। यदि दोनों वकीलों ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो बार एसोसिएशन इन पर कार्यव्हाही कर सकती है।

### पात्र विवाह शगुन योजना का उठाएं लाभ

पानीपत। हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। यह जानकारी उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

### पात्रों को ड्रा से मिलेंगे फ्लैट : एडीसी

**पानीपत।** अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज यादव ने बताया कि हाउसिंग फॉर आल विभाग हरियाणा द्वारा जिला पानीपत में 128 फ्लैट ड्रा के माध्यम से दिए जाएंगे। वहीं, विभाग द्वारा जिला पानीपत में कुल 849 योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी उम्मीदवारों को फ्लैट बुकिंग राशि दस हजार रूपये जमा करवाने के लिए अंतिम तिथि को नौ फरवरी तक बढ़ा दी है।

### छात्राओं व अभिभावकों को जागरूक किया

**पानीपत।** आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल में अभिभावकों और छात्राओं के लिए काउंसलिंग कार्यशाला हुई। जिसमें उर्मिला जैन ने अभिभावकों को कोरोना काल के दौरान बच्चों में आई मानसिक और शारीरिक विकृति के बारे में जानकारी देकर विकृति से किस तरह दूर किया जाए, इसका समाधान बताया।

### डॉ. एसएन सुब्बाराव को नमन किया

**पानीपत।** स्वतंत्रता सेनानी, शांति कार्यकर्ता डॉ.एसएन सुब्बाराव को गांधी ग्लोबल फैमिली के आह्वान पर निर्मला देशपांडे संस्थान के तहत संचालित हाली अपना स्कूल में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों ने श्रद्धाभाव से नमन किया।

---

जिले के औद्योगिक विकास को केंद्र व राज्य सरकार सहयोग देगी

# वैश्विक सद्भावना पर टिकी है भारतीय व्यापार नीतिः मनोहर




**पानीपत।** उद्यमियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

देश के विकास में कृषि व उद्योग के अलावा व्यापार की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स, पानीपत एक्सपोर्ट एसोसिएशन आदि औद्योगिक संगठनों की ओर से जिमखाना क्लब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में अमरीका द्वारा टैरिफ कम किए जाने पर व्यापार जगत की ओर से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में पानीपत के निर्यातक उद्योगपति व व्यापारियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया गया।

वहीं, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पानीपत के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त खेमराज सुंदरियाल ने की। जबकि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विधायक प्रमोद विज, मेयर कोमल सैनी, भाजपा नेता हरपाल ढांडा और सांसद प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। जबकि विनोद धमीजा, ललित गोयल, विनोद खंडेलवाल, डॉ. अर्चना गुप्ता, सुरेंद्र शर्मा, स. हरचरण सिंह धम्मू, पूर्ण सिंह रावल, बिजेंद्र जागलान, विभु पालीवाल, नवीन भाटिया, सुनील कंसल, रोहतास देशवाल, अमित गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत कर मुख्य अतिथि को मांग पुत्र सौंपा।

### व्यापार को लगातार दे रहे है बढावा

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश के विकास में कृषि व उद्योग ही नहीं व्यापार जगत की भी अहम भूमिका होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरहाना करत हुए कहा कि मोदी के प्रयासों से अमरीका ने भारत पर टैरिफ 18 प्रतिशत हुआ है। उन्होंने कहा कि पानीपत जिला के सभी उद्योग देश की आन बान शान है इन उद्योगों में दस लाख से अधिक व्यक्ति प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त कर रहे है इस लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की नजर पानीपत के आद्योगिक विकास पर केंद्र व प्रदेश सरकार की नजर हमेशा बनी रहती है और हर संभव सहयोग भविष्य में भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत विश्व के सभी देशों के साथ संतुलित व्यवहार रखते हुए व्यापार करना चाहता है।

---

# बच्चों को सनातन संस्कारी बनाएंः भारती

- दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने संस्कार शाला का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत




**पानीपत।** दिव्य ज्योति जाग्रति की संस्कार शाला में भाग लेते शिक्षक व विद्यार्थी।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के द्वारा बच्चों के लिए धूपसिंह नगर पानीपत में संस्कार शाला का आयोजन किया गया। जिसमे साध्वी शिष्या वर्षा भारती ने बताया की संस्कार शाला एक ऐसी प्रणाली है जो बच्चों को पारंपरिक भारतीय मूल्यों नैतिकता और संस्कृति के साथ आधुनिक शिक्षा प्रदान करती है। वहीं, संस्थान की साध्वी बहनों द्वारा यहां केवल किताबी ज्ञान नहीं बल्कि जीवन जीने की कला शिष्टाचार और सभ्य आचरण सिखाया जाता है, इसमें सनातन धर्म वैदिक मूल्य और भारतीय संस्कृति से जुड़ी शिक्षा दी जाती है। जिसमें संस्कृत श्लोक और उनके अर्थ शामिल होते हैं। बच्चों में उच्च नैतिक मूल्यों का विकास करना और उन्हें आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना इसका लक्ष्य होता है। यह शैक्षणिक शिक्षा के साथ साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वागीण विकास करती है। जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है संस्कार शाला वह है जहां बच्चें शिक्षा के साथ साथ अच्छे संस्कार सीखते हैं। जिससे वे अच्छे इंसान और ज़िम्मेदार नागरिक बन सकें।

---

# स्वास्थ्य के लिए रामबाण है सूर्य नमस्कारः डॉ.राज

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

विद्यार्थियों को कराया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

पानीपत आयुष विभाग की ओर से सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। वहीं जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राज कपूर ने बताया कि जिला स्तरीय सूर्य नमस्कार अभियान का पंजीकरण एवं प्रशिक्षण की शुरुआत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के दिन 12 जनवरी से 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती के दिन तक चलेगी। वहीं सूर्य नमस्कार मानव स्वास्थ्य के लिए रामबाण है। इधर, योगाचार्य नीलिमा ने आर्य कालेज में विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया और उन्हें योग की महत्ता की विस्तार से जानकारी दी।



**पानीपत।** आर्य कालेज में सूर्य नमस्कार करते हुए विद्यार्थी।

### राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेंगे श्रमिक

**पानीपत।** केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी फेडरेशनों के संयुक्त आह्वान पर 12 फरवरी को होने वाली देशव्यापी हड़ताल में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और सीटू मजदूर संगठन आदि भाग लेंगे। वहीं, पानीपत में हडताल को सफल बनाने के लिए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी सभाएं कर रहे है। सभाओं को सुनील दत्त, नवीन सपड़ा, अमरीश त्यागी, डॉ.सुरेंद्र मलिक, शीशपाल मलिक, रामकुमार, बिजेंद्र सिंह, रविंद्र कुमार, रणवीर नांदल, विनोद कुमार, दिलावर सिंह, प्रवीण रावल आदि ने संबोधित किया।

---



**पानीपत।** जन सारथी फाउंडेशन सोसाइटी के पदाधिकारी रक्तदानियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

### रक्तदान करना इंसान का मानवीय कर्तव्यः प्रभु

**पानीपत।** जन सारथी फाउंडेशन सोसाइटी द्वारा शनिवार को सुनहरी इंडस्ट्रीज में निर्मला देवी की पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोहन गौरचंदर प्रभु, उपाध्यक्ष इस्कॉन कुरुक्षेत्र, बीके अंजना ने करते हुए कहा कि रक्तदान को समाज में महादान माना जाता है। रक्तदान सीधे तौर पर किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक होता है। समाजसेवी अजय सिंगल ने कहा हर तीन महीने में रक्तदान कर सकते हैं। रेडक्रॉस सोसाइटी की टीम ने कैंप का सफल संचालन किया। वहीं, कैंप में रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इधर, कैंप में 105 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस अवसर पर पूजा, योगराज, अजय सिंगला, राजेश गोयल, विजय गोयल, गौरव गोयल व आशीष मित्तल आदि उपस्तिथ रहे।

---

# मानव शरीर को स्वस्थ रखने में रामबाण है योग : अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

योग इंसान के शरीर को रखता है निरोग

पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी अशोक अरोड़ा ने कहा कि योग इंसान के शरीर को निशुल्क स्वस्थ्य रखता है, वहीं रोग होने पर शरीर को योग से स्वस्थ्य किया जा सकता है। योग शरीर को स्वस्थ्य रखने की हजारों साल पुरानी संस्कृति है। हर आयु वर्ग के नागरिकों को योग करना चाहिए। अरोडा, वृंदा एनक्लेव भागवत पार्क नंबर तीन में आयोजित योग शिविर में आए साधकों को संबोधित कर रहे थे। इधर, अंजलित गुप्ता व शालू ने बताया कि नारी शक्ति के लिए योग रामबाण है। इस अवसर पर रिंपी, नीलू, पिंकी, सुमन, सुनीता, मीनू, कनिका, विमला, निशा मौजूद रही।



**पानीपत।** पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी अशोक अरोड़ा, नारी शक्ति के साथ।

---

# संस्कृत व तकनीक के लिए समन्वय जरूरीः डॉ.मलिक

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आईबी कालेज में संस्कृत निर्माण कार्यशाला आयोजित

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संस्कृत भाषा को आधुनिक तकनीक से जोडने के उद्देश्य से संस्कृत पीपीटी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ.शशिप्रभा मलिक ने कहा कि यह कार्यशाला संस्कृत और तकनीक के समन्वय की दिशा में एक सराहनीय पहल है। ऐसी कार्यशालाएं संस्कृत भाषा को नई पीढ़ी के लिए रोचक, बनाएगी। संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका सोनिया वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को पीपीटी बनाने की मूल तकनीकों, जैसे स्लाइड डिजाइन, विषय चयन, संस्कृत भाषा में शुद्ध एवं सरल प्रस्तुति, चित्रों तथा एनीमेशन के उचित प्रयोग आदि की जानकारी दी गई।



**पानीपत।** आईबी कॉलेज में कार्यशाला में भाग लेती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

---

# नारी हितैषी है आम बजटः डॉ आर्य

- भाजपा का गांव बराना में केंद्रीय बजट नारी संवाद कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत के गांव बराना स्थित ठाकुर मंदिर प्रांगण में भाजपा द्वारा केंद्रीय बजट को लेकर महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन पार्टी के महिला मोर्चा के तत्वावधान में हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के लिए बजट में किए गए प्रावधानों की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाना रहा। वहीं, मुख्य वक्ता भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रमुख डॉ. राजवीर आर्य, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नेहा शर्मा ने केंद्रीय बजट में महिलाओं के लिए दी गई सौगातों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने, स्वरोज़गार को बढ़ावा देने तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाला बजट है।



**पानीपत।** भाजपा नेता डॉ. राजवीर आर्य गांव बराना में महिलाओं को केंद्रीय बजट की जानकारी देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

### ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विभिन्न स्वयं सहायता समूह की मुख्य सेविका पिंकी वर्मा, सीता देवी, कविता देवी, टीना देवी, सोनिया देवी समेत बडी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रही।

### डॉक्टर दंपति ने की 1.96 करोड की धोखाधडी

**पानीपत।** पानीपत के हुडा सेक्टर छह निवासी ऋषभ दांगी की शिकायत पर थाना हुडा सेक्टर 13/17 पुलिस ने चिकित्सकों पर करीब 1.96 करोड रूपये की नगदी की धोखाधडी का केस दर्ज किया है। वहीं शिकायत में ऋषभ ने बताया कि उन्होंने एक मार्च सन् 2020 को डॉक्टर सुरेश कुमार और उनकी पत्नी डॉ. अनुपमा नैन, निदेशक, फैमिली हेल्थ केयर के साथ उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अस्पताल में फार्मेसी चलाने का एग्रीमेंट किया था। वहीं, ऋषभ को जानकारी दी कि उन्होंने अस्पताल को यशोदा ग्रुप को लीज पर दे दिया है। इसके चलते ऋषभ को फार्मेसी खाली करनी होगी। हिसाब करने पर डॉ सुरेश व डॉ अनुपमा की तरफ 1 करोड़ 95 लाख 77 हजार 982 रुपए की देनदारी निकली। इस राशि के भुगतान के लिए चिकित्सकों ने ऋषभ को करीब 65-65 लाख रुपए के चेक दिए। तीनों चेक, कैश के लिए लगाए तो तीनों चेक बांउस हो गए।

---

# आधुनिक समाज पर कलंक है बाल विवाहः डॉ. प्रदीप

- जागरूकता वैन बाल विवाह मुक्ति रथ पहुंचा गांव मतलौडा

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी पानीपत के सहयोग से चलाई जा रही जागरूकता वैन बाल विवाह मुक्ति रथ शनिवार को गांव मतलौडा पहुंची। वहीं, उपरोक्त ने ग्रामीणों को बाल विवाह के विरूद्ध जागरूक किया गया। वहीं, अभियान में मंत्री कृष्ण पंवार के पीआरओ लीला राम, मतलौड़ा के थानेदार राजेश कुमार, डॉ सीमा, शिक्षाविद् सुरेश दलाल, जय प्रकाश, नशा मुक्ति यात्रा निकाल रहे सोशल इन्फ्लूएंसर रविन्द्र तोमर आदि ने भी बाल विवाह के विरूद्ध ग्रामीणों का जागरूक किया।



**पानीपत।** राजकीय कॉलेज, मतलौडा में बाल विवाह के विरुद्ध शपथ लेते हुए शिक्षक व विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

### बाल विवाह है एक अभिशाप : प्रदीप कुमार

इधर, राजकीय कन्या महाविद्यालय गांव मतलौड़ा के प्रिंसिपल डॉ प्रदीप कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक अभिशाप है और हमें अपनी बेटियों को पढा लिखा आत्मनिर्भर बना कर ही उनका विवाह करें। उन्होंने जागरूकता वैन बाल विवाह मुक्ति रथ जैसे अभियान कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने में बहुत ही सहायक है। इधर, पॉक्सो पीड़ित विक्टिम असिस्टेंट कॉर्डिनेटर काजल ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम से संबंधित कानूनी प्रावधानों का प्रचार-प्रसार करने के साथ बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं अधिकारों को बढावा देना और समुदाय को बाल विवाह की रिपोर्टिंग एवं रोकथाम हेतु प्रोत्साहित करना है।

---

### पुलिस टीम ने दो नशा तस्करों को पकड़ा

- 6.46 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

**पानीपत।** एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने सनौली कैराना रोड स्थित यमुना बंधा के पास बाइक सवार दो नशा तस्करों मेहरबान पुत्र यामीन व सादा पुत्र आयुब निवासी गांव राणा माजरा जिला पानीपत को 6.46ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, थानेदार सुभाष ने बताया कि पुलिस टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट इटीओ अमित की उपस्थित में दोनों से स्मैक बरामद की है। वहीं, आरोपियों के खिलाफ थाना सनौली में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के साथियों को पकडने के लिए मेहरबान को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

---

**कार्यक्रम** एसडी कॉलेज ने राज्य स्तरीय इंटर कॉलेज कबड्डी व क्रिकेट में ब्रांज मेडल जीते

# विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत करता है खेलः अरोड़ा

खेल विद्यार्थियों को न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी ताकत प्रदान करते हैं

- डीजीएचई की ओर से राजकीय कॉलेज इसराना में आयोजित हुई प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत की पुरुष कबड्डी टीम ने राजकीय कॉलेज गांव इसराना में डीजीएचई हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय इंटर कॉलेज कबड्डी चैंपियनशिप में तीसरा स्थान पाकर कॉलेज और जिले का मान बढाया। वहीं, कॉलेज की कबड्डी टीम ने कप्तान अभिषेक, उपकप्तान अनुज, हर्ष कुमार, अनंत कुमार, रोहित, सागर, जतिन शामिल रहे। इधर, एसडी पीजी कॉलेज की महिला क्रिकेट टीम ने राजकीय कॉलेज बेरियां, पेहोवा में आयोजित डीजीएचई हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रांज मेडल जीता है। टीम में कप्तान साक्षी, उपकप्तान सोनल, निधि, ऋतिका, चंचल, श्वेता, तन्नू, सोनी, किरण देवी, मनीषा, निशा, अंजलि के शानदार खेल खेला। इधर, विजेता खिलाडियों का एसडी पीजी कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल, प्राचार्य डॉ अनुपम अरोड़ा, शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा डॉ सुशीला बेनीवाल, प्रो नीलम, प्रो पूजा, कोच अंकुश मलिक और प्रो आनंद ने जोरदार स्वागत किया।

**पानीपत।** एसडी कॉलेज के प्रायार्य डॉ अनुपम अरोड़ा के साथ विजेता खिलाड़ी।

### हर विद्यार्थी को खेल में लेना चाहिए भाग

इधर, डॉ अनुपम अरोड़ा ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में खेल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल गतिविधियों में शामिल होना हर व्यक्ति के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। खेल न केवल शारीरिक ताकत प्रदान करते है, वहीं, मानसिक रूप से भी मजबूत बनते है। उन्होंने कहा कि खेल, विद्यार्थियों को करियर बनाने में भी मदद करता है। इसके मद्देनजर हर विद्यार्थी को कोई ना कोई खेल अवश्य खेलना चाहिए।

### पुलिस ने ग्रामीणों को किया जागरूक

**पानीपत।** पानीपत पुलिस, जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता अभियान चलाए हुए है। इसी कड़ी में जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को धनसौली व कुराड़ गांव में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों बारे बताकर नशे के खिलाफ जागरूक किया। वहीं, पुलिस टीम ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। वहीं, नशे की लत कैसे धीरे-धीरे व्यक्ति को अपने जाल में फंसा लेती है और समय रहते इससे बचाव कितना आवश्यक है। अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान रखें और उनके साथ खुलकर संवाद करें।

## खबर संक्षेप

### जेवर-नकदी चोरी का आरोपी गिरफ्तार

**अंबाला।** थाना अंबाला शहर में दर्ज जेवरात व नकद राशि चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी सन्नी सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे पांच दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान जांच में पता चला कि आरोपी ने दिल्ली, हरिद्वार, पंजाब, हरियाणा व मथुरा के एक मंदिर में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी अंतर्राज्जीय चोर है जिसके खिलाफ चोरी के लगभग 18/20 मामले दर्ज हैं।शिकायतकर्ता सोहन लाल ने 16 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 दिसंबर 2025 को काजीवाड़ा में स्थित उसके घर से अज्ञात ने सोना-चांदी जेवरात व नकदी चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरोपी से 15 हजार की नकद राशि बरामद की है।

### विदेश भेजने के नाम पर ठगी का आरोपी पकड़ा

**अंबाला।** थाना महेशनगर में दर्ज विदेश भेजने की धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी आकाश को गिरफ्तार किया है। परिवादी विशाल ने 15 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि गांव केशोपुर में 1 जून 2023 के दौरान आरोपी शिव कुमार व अन्य ने उसको विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम (15 लाख रूपये) हड़पने की धोखाधडी करने का आपराधिक कार्य किया किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। आरोपी से चार लाख की नकद रिकवरी हुई है।

### जान से मारने की धमकी देने का आरोपी दबोचा

**अंबाला।** थाना नारायणगढ़ में दर्ज लाठी डंडों व तेज हथियार से हमला करते जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी विशाल कुमार को गिरफ्तार किया है। गांव सादिकपुर के विकास कुमार ने 8 दिसंबर 2025 शिकायत दर्ज करवाई थी कि 07 दिसंबर को कालाअंब में आरोपी अमीर व अन्य ने उस पर लाठी डंडों व तेज हथियार से हमला करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

### फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**अंबाला।** थाना मुलाना में दर्ज मारपीट व फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में सीआईए-नारायणगढ़ ने संलिप्त एक अन्य आरोपी अमन कुमार को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता युधिष्ठर पाल वासी गांव ठाकुरपुरा कलालटी ने 2 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 1 फरवरी 2026 को आरोपी धर्म सिंह, हार्दिक, मोहित कुमार व अन्य ने गांव कलालटी में फायरिंग की जिस कारण उसके दोहतों को चोट लगी थी। आरोपियों ने परिवार के अन्य सदस्यों से मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस द्वारा अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

### आरोपी से 290 नशीली गोलियां बरामद

**अंबाला।** एएनसी के उप निरीक्षक गुरदर्शन सिंह ने मादक पदार्थ रखने के मामले में आरोपी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे 1 दिन के रिमांड पर लिया गया है। एएनसी के प्रभारी निरीक्षक ऋषि पाल ने बताया कि 7 फरवरी 2026 को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी नशीली दवाओं की तस्करी का कारोबार करता है। जांच टीम ने तुरंत नाकाबंदी कर आरोपी को एक्टिवा सहित काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी से 290 नशीली गोलियां बरामद हुई।

### चार लेबर कोड के खिलाफ हड़ताल 12 को

**अंबाला।** केंद्रीय कारागार के पास पार्क में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन से संबंधित वन मजदूर यूनियन की बैठक हुई। सीटू वरिष्ठ उप प्रधान रमेश ने कहा कि चार लेबर कोड के विरोध में 12 फरवरी को एकजुट होकर हड़ताल करेंगे। वन विभाग मजदूर यूनियन के राज्य महासचिव राज कुमार सोलंकी ने कहा कि हाइकोर्ट के फैसले के अनुसार पद सृजित कर मजदूरों को पक्का किया जाए और तब तक 30 हजार न्यूनतम वेतन दिया जाए।

## अवकाश के बावजूद डीईओ ने स्कूलों में छात्रों से की बातचीत

# बच्चों को परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए किया प्रोत्साहित

**किचन गार्डन की भी ली जानकारी, मिड डे मील की गुणवत्ता जांचने के लिए खुद चखा**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को अवकाश के दिन भी जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीसी बाजार, राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए नियमित एवं अधिक लिखित अभ्यास करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास से न केवल विषय की समझ मजबूत होती है, बल्कि परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

उन्होंने गिनती और अंग्रेजी वर्णमाला का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि निरंतर अभ्यास के कारण ही ये विषय जीवनभर स्मरण में रहते हैं। उन्होंने कहा कि लिखित अभ्यास और परीक्षा में प्राप्त अंकों के बीच सीधा संबंध है। जितना अधिक अभ्यास, उतना बेहतर परिणाम। जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने विद्यालयों के शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे पूर्व वर्षों की बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास विद्यार्थियों से करवाएं, ताकि विद्यार्थियों में परीक्षा पेटर्न की समुचित समझ विकसित हो सके।

छात्रों से बातचीत करते डीईओ सुधीर कालड़ा।

### स्कूल प्रमुखों को जरूरी निर्देश

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विद्यालयों में विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, विज्ञान कक्ष, पुस्तकालय, मिड डे मील किचन, किचन गार्डन, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विद्यालय प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहा में जिला शिक्षा अधिकारी ने मिड डे मील स्वयं ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की। इस अवसर पर मेथी रागी परांठा एवं दही परोसी गई थी जिसकी गुणवत्ता को उन्होंने संतोषजनक बताया। साथ ही उन्होंने मिड डे मील ले रहे विद्यार्थियों से विद्यालय में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में भी बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों से भी वार्तालाप किया और विकसित भारत - 2047 के निर्माण में उनका योगदान सुनिश्चित करने के लिए कहा। डीईओ का यह निरीक्षण विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुआ तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नायरणगढ़। विशाल सैनी को फूलों का गुलदस्ता देकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुभकामनाएं देते हुए। फोटो : हरिभूमि

## सीएम के भतीजे के विवाह समारोह में पहुंचे वीआईपी

- राजनीतिक, प्रशासनिक व सामाजिक क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों दूल्हा-दुल्हन को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भतीजे विशाल सैनी के विवाह समारोह के अवसर पर नारायणगढ़ क्षेत्र में भव्य आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश भर से राजनीतिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ साथ आम जन ने पहुंचकर मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शादी समारोह में पहुंचे सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, मंत्री महिपाल ढांडा, खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, पूर्व मंत्री कंवर पाल गुर्जर, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, विधायक जगमोहन आनंद, विधायक दादा गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र राणा, विभिन्न बोर्डों व निगमों के चेयरमैन, वरिष्ठ आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में सहभागिता की।

### मंडा पूजन कार्यक्रम

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भाई चंदन सिंह के पुत्र विशाल सैनी के विवाह के मंडा पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया था। यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के भारी संख्या में नागरिकों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति रही जिससे आयोजन का माहौल उल्लास और उत्साह से परिपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री के भतीजे विशाल का विवाह रविवार को रेड हर्ट रिजोर्ट में सरदेहडी गांव के स्वर्गीय सेवा सिंह की सुपुत्री महक के साथ संपन्न होगा।

## हवाई अड्डे के विकास कार्य पूरे सुरक्षा मंजूरी की प्रक्रिया जारी

- लोकसभा में सांसद वरूण चौधरी ने सिविल हवाई अड्डे को लेकर पूछे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

सांसद वरुण चौधरी।

लोकसभा सांसद वरूण चौधरी ने लोकसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से अंबाला सिविल हवाई अड्डे को लेकर जानकारी मांगी। सांसद वरूण चौधरी के सवाल पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरलीधर मोहल ने बताया कि अंबाला हवाई अड्डा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के स्वामित्व में है। यहां प्रदेश सरकार एक नागरिक एन्क्लेव विकसित कर रही है। हवाई अड्डे को उड़ान योजना के तहत विकास के लिए चिन्हित किया गया था। इसके विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। 17 मार्च 2025 के संचालन एवं रखरखाव समझौते के अनुसार हवाई अड्डे के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी एएआई की है। उड़ान 4.2 के तहत, आरसीएस मार्ग अंबाला-श्रीनगर-अंबाला का संचालन 19 सीटों वाले विमान के साथ फ्लाइबिग को आवंटित किया गया था। अब यह मार्ग स्काइशॉप एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है।

## ट्रक-पिकअप गाड़ी में भिड़ंत, दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़े

**अंबाला।** साहा-कालपी मार्ग पर शनिवार सुबह एक ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप समीप हुआ जिसमें दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई, हालांकि दोनों वाहनों के चालक घायल हुए हैं। शनिवार सुबह एक ट्रक साहा की ओर से यमुनानगर की तरफ जा रहा था। जैसे ही ट्रक भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक पिकअप गाड़ी के साथ उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। सूचना मिलते ही साहा पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

## थंबड़ में नवनिर्मित शेड का उद्घाटन

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थंबड़ में नवनिर्मित शेड के उद्घाटन को लेकर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सुशील मंगला उपस्थित रहे। अध्यक्षता ग्राम पंचायत थंबड़ के सरपंच रोहतास राणा ने की। कार्यक्रम में खंड पंचायत समिति सदस्य सुधा राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष डिंपल राणा, सूरजपाल राणा सहित ग्राम थंबड़ के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। नवनिर्मित शेड का उद्घाटन सरपंच रोहतास राणा एवं खंड पंचायत समिति सदस्य सुधा राणा द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया गया। इसके उपरांत विद्यालय की प्रधानाचार्या मनभावनी मल्ला द्वारा सभी अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया गया तथा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

## कोल्ड ड्रिंक की बोतलों में भरकर बेची जा रही थी शराब, पुलिस ने किया भंडाफोड़

- अंडे की दुकान की आड़ में लंबे समय से चल रहा था कारोबार, पिता-पुत्र के खिलाफ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

पकड़ा गया दुकानदार।

यहां एक अंडे की दुकान की आड़ में अवैध शराब बेचने का मामला सामने आया है। दुकानदार और उसका बेटा कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलों में देसी शराब भरकर बेच रहे थे। पुलिस ने छापा मारकर इस अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ग्राहकों की मांग के अनुसार 160 एमएल से लेकर 2 लीटर तक की बोतलों में शराब बेचते थे। इसकी कीमत मात्रा के हिसाब से 20 रुपये से 200 रुए या उससे अधिक तय की जाती थी। पुलिस ने आरोपी दुकानदार के बेटे दीपक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर नारायण सिंह ने बताया कि उन्हें प्राइम स्टेप प्राइवेट स्कूल के पास अंडे की दुकान चलाने वाले दीपक और उसके पिता सीताराम द्वारा अवैध शराब कारोबार की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दुकान पर छापा मारा। इस दौरान सीताराम पुलिस से बहस करने लगा जबकि दीपक प्लास्टिक का थैला लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। थाना प्रभारी अशोक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पास के देसी शराब के ठेके से सस्ती शराब, जैसे ताजा माल्टा और फौजी नंबर वन, खरीदते थे।

बराड़ा। कार्यशाला में जानकारी देते रिसोर्स पर्सन।

### शिक्षक खुद को समय के साथ करें अपडेट

**बराड़ा।** डीएवी पब्लिक स्कूल में सीबीपी (क्षमता निर्माण कार्यक्रम) के अंतर्गत आर्ट इंटीग्रेशन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार का विषय शिक्षकों के लिए अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक रहा। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में अरुण वर्मा, प्राचार्य डीएवी पुलिस स्कूल करनाल, आरती, प्राचार्य यूनिसन इंटरनेशनल स्कूल पिंजौर तथा मिस सेजल गोगिया मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। रिसोर्स पर्सन ने कला को अन्य विषयों के साथ जोड़ने के नवाचारपूर्ण तरीकों की जानकारी दी और प्रतिभागियों के साथ मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां भी करवाईं। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और जो शिक्षक समय के साथ स्वयं को अपडेट नहीं करता, उसका ज्ञान ठहर जाता है। तकनीकी युग में शिक्षकों के लिए नवाचार व नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना आवश्यक हो गया है।

## वर्धमान महाविद्यालय बिजनौर की छात्रा सिया सिंघल ने मारी बाजी

**बराड़ा।** महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय में बीते दिवस अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी भाषा में "रोजगार के अवसर व चुनौतियां" विषय पर एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश-विदेश से 60 शोधार्थियों एवं हिंदी प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा की वैश्विक प्रासंगिकता, रोजगारपरक संभावनाओं और समकालीन चुनौतियों के प्रति विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हिंदी को वैश्विक मंच पर सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

स्पेशलः वैलेंटाइन-डे 14 फरवरी

रोहतक,रविवार 8 फरवरी 2026

{ आवरण कथा / सरस्वती रमेश }

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

# जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

## गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

## प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है,वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के

लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

## प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

## कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

### विज्ञान की नजर में प्रेम

**प्रेम, दुनिया** की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

# शोर कम-समझ ज्यादा बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

{ नया दौर / डॉ. अनिता राठौर }

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

## अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

## स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

## अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं।

आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

## बराबरी है रिश्तों की बुनियाद



आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

{ कविता / आरती आस्था }

## प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

{ व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी }

# इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के काड्र्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

{ लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना' }

# सच्चा प्यार

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

# प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, मूल्यः 50 रुपए

{ बेमिसाल / शिखर चंद जैन }

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

## अद्वितीय-लाजवाब-शानदार
# विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

### बोल्ट कैसल अमेरिका

बोल्ट कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ट ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओएस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ट का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

### शैटो डी चेनोंसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोंसो को अकसर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है।

दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिनसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

### जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलिएट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डि गियुलिएट्टा, 13वीं सदी की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट

की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

### कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अटूट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने 1923-1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

### एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिले की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लिंकन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गेडिंगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

**अपने देश** भारत में भी प्रेम की दो बेमिसाल निशानियां मौजूद हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निस्संदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कीमती पत्थरों की पच्चीकारी की गई है।

### सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे 'श्रीनगर का ताज' भी कहा जाता है। यह बाग 'चहार बाग' शैली पर आधारित है और तीन छतों में विभाजित है, जो जल निकायों और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिनार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

# प्रेम की भावना को व्यक्त करते प्रतीक

प्रेम की गहरी भावना को व्यक्त करने के लिए पुराने दौर से ही कई तरह के प्रतीकों का सहारा लिया जाता रहा है। प्रेमी युगल के बीच प्रचलित प्रेम के कुछ प्रतीकों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

{ मान्यता / अंजू जैन }

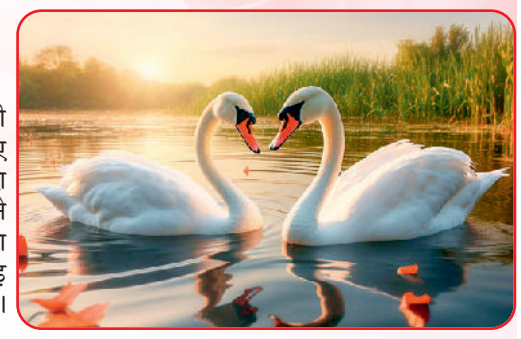

प्रेमी या प्रेमिका को जब अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए शब्द नहीं सूझते या फिर वे ज्यादा प्रभावशाली तरीके से प्यार का इजहार करने की चाहत रखते हैं तो ऐसे प्रतीकों का सहारा लेते हैं, जो बिना कुछ कहे उनके दिल में उमड़ रही प्यार की भावनाओं को व्यक्त कर देते हैं। ऐसे ही कुछ प्रतीकों पर एक नजर-

**वीणा:** वीणा केवल संगीत का वाद्ययंत्र ही नहीं है, यह अपने मधुर सुरों के माध्यम से भावनात्मक जुड़ाव और प्रेम के गहरे पहलुओं को भी प्रकट करती है। वीणा को प्रेम, शांति और सद्भाव का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति और विभिन्न वैश्विक परंपराओं में इसके अलग-अलग प्रतीकात्मक अर्थ हैं। नॉर्वे और आइसलैंड की परंपराओं में माना जाता है कि वीणा के तार एक सीढ़ी बनाते हैं, जो प्रेम और आध्यात्मिक चेतना की उच्च अवस्थाओं तक पहुंचने का मार्ग है। वीणा की मधुर ध्वनि को अकसर प्रेम के गीतों और आकर्षण से जोड़ा जाता है।

**रोज क्वार्ट्ज:** रोज क्वार्ट्ज को मुख्य रूप से निःस्वार्थ प्रेम, करुणा और भावनात्मक उपचार के पत्थर के रूप में जाना जाता है। यह कोमल गुलाबी रंग का क्रिस्टल हृदय चक्र से गहराई से जुड़ा होता है, जो आत्म-प्रेम रोमांटिक रिश्तों में सुधार, मित्रता और पारिवारिक प्रेम को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता यह प्रेम के सभी रूपों को आकर्षित करता है, प्रेम के टूटे रिश्तों को जोड़ने में मदद करता है। यह प्रेमियों के बिछड़ने से होने वाले दर्द, भावनात्मक पीड़ा और तनाव को दूर करने में सहायक है। वैवाहिक जीवन में शांति और प्रेम बढ़ाने के लिए इसे बेडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह शुक्र ग्रह से संबंधित है, जो रोमांस, सौंदर्य और कलात्मकता को बढ़ाता है।

**हंस:** हंस अपनी वफादारी, समर्पण और आजीवन साथ निभाने के स्वभाव के कारण प्रेम, निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। इन्हें अकसर एक-दूसरे के साथ कपल के रूप में देखा जाता है, जो गहरे प्रेम और रोमांस का प्रतीक है। वे अपने साथी के प्रति जीवन भर प्रतिबद्ध रहते हैं और एक-दूसरे के साथ गर्दन मोड़कर दिल के आकार की आकृति भी बनाते हैं। इनके बीच इतना गहरा लगाव होता है कि लोग अकसर प्रेमी जोड़ों को 'दो हंसों का जोड़ा' कहते हैं।

**सेब:** सेब ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से प्रेम, सुंदरता और उर्वरता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ग्रीक और रोमन कथाओं में यह प्रेम की देवी एफ्रोडाइट वीनस से जुड़ा है। एफ्रोडाइट प्राचीन यूनानी पौराणिक कथाओं में प्रेम, सौंदर्य, इच्छा और प्रजनन क्षमता की मुख्य देवी थीं। रोमन पौराणिक कथाओं में उन्हें 'वीनस' के रूप में जाना जाता है। वीनस, अकसर सेब धारण किए हुए चित्रों में दिखाई देती हैं। सेब को 'प्रेम का फल' भी माना जाता है। यह अकसर काम भाव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है।

**इनफिनिटी चिन्ह:** इनफिनिटी चिन्ह, क्षैतिज आठ की आकृति जैसा दिखता है और शाश्वत प्रेम, अटूट बंधन व समर्पण का सार्वभौमिक प्रतीक है। इसका मतलब है वह प्यार जिसका न कोई आरंभ है और न कोई अंत। यह एक गहरा भावनात्मक प्रतीक है, जो समय और स्थान से परे शाश्वत संबंध और कभी न खत्म होने वाली प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रेमी जोड़ों या परिवार के सदस्यों के बीच के स्थायी और मजबूत संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उपयोग आभूषणों (अंगूठी, नेकलेस, ब्रेसलेट), टैटू और उपहारों में किया जाता है ताकि अपने स्नेह की गहराई को व्यक्त किया जा सके। *

आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपका कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

# सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

{ अलग नजरिया / नम्रता नदीम }

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपल्स की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

### खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई साथी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

### क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल्स के ग्रुप को ज्वाइन करें और अपने सिंगल हुड को एंज्वाय करें।

### शादीशुदा भी तो खुश नहीं

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपल्स शादी करके भी अकसर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हुड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंज्वॉय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

### करियर पर फोकस करें

कॉलेज में अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर के साथ खुश देखकर उनसे द्वेष करना सही नहीं है। हो सकता है वो सामान्य दोस्ती में हों, न

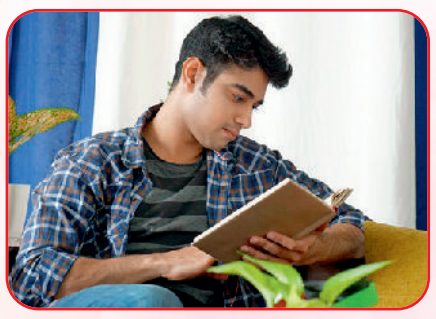

कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंज्वॉय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हुड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

### अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम ग्रुप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंज्वॉय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हुड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना

चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हुड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

### सोच समझकर बनाएं रिलेशन

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबर्दस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबर्दस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

{ सिने-ट्रेंड / अशोक जोशी }

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

# फिल्मी पर्दे पर खूब दिखती रही हैं ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं

'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला

'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्में भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

### खूब पसंद की गईं ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमगाथाएं पर्दे पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के. आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म की विशेषता रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव छू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पर्दे पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गायिका बेटी रूपमती की प्रेमगाथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषण और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह मगध के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959 में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्म्स ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम

कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेंद्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं चल पाईं। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरीश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

### लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनू', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शीरी-फरहाद' ऐसी लोक

चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में उनके भतीजे ऋषि कपूर और रंजीता अभिनीत 'लैला-मजनू' सबसे ज्यादा सफल रहीं। सन 1956 में बनी 'शीरी फरहाद' में प्रदीप कुमार और मधुबाला की भूमिकाएं थीं। लोक प्रेम कहानियों में पंजाब की माटी से जन्मी 'हीर-रांझा' और 'सोहनी-महिवाल' की प्रेम कहानियों पर सफल फिल्में बनी हैं। पहली फिल्म 1958 में बनी थी। इसमें भारत भूषण और निम्मी की भूमिकाएं थीं। इसके बाद 1984 में भारत और रूस के सहयोग से बनी 'सोहनी-महिवाल' का निर्देशन उमेश मेहरा ने किया था। इसमें सनी देओल और पूनम ढिल्लों के साथ जीनत अमान भी थीं। अनु मलिक के मधुर संगीत से रची यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही। राजस्थान की लोककथा पर आधारित फिल्म 'ढोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था।

कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *